

Otto Böhtlingk & Rudolph Roth: Sanskrit-Wörterbuch, Part 1, Petersburg 1855
ste, ausgezeichnet, vortrefflich AK. 3, 2, 6. 4, 193. H. 1438. an. 3, 462.
 MED. m. 40. यदुत्तमे मरुतो मध्यमे वा यद्वान्मे दिवि ष्ठे RV. 5, 60, 6. 1, 24, 15. 25, 21. दिवो विष्टम्भ उत्तमः 9, 108, 16. नार्कम् AV. 1, 9, 2. 4, 14, 6. 9. दिवम् 9, 3, 29. रात्रौमुत्तमम् 4, 22, 5. अदिति AIT. Br. 1, 7. ÇAT. Br. 9, 4, 2, 23. 13, 6, 2, 7. उत्तमे स्थाने Nir. 7, 11. KAUÇ. 55. M. 2, 249. गति 5, 42. 12, 3, 44. 47. 50. धर्म 9, 6. उत्तम — अथम 4, 244. 6, 65. R. 5, 77, 7. Sîh. D. 35, 1. — कनीयम् PAÑKAT. 16, 7. — कीन M. 3, 107. 4, 245. पञ्चविवेकतया राजा भृत्यानुत्तमपदोऽभ्यान्कीनाधमस्थाने नियोजयति PAÑKAT. 16, 20. उत्तमस्यापि वर्णस्य नीचो ऽपि गुरुमागतः Hit. I, 57. — जघन्य M. 8, 366. — प्रथम (साक्षः *Strafe*) 138 (vgl. 9, 240. 279. JĀGŌ. 1, 365). दिवः पीयूषमुत्तमम् RV. 9, 31, 2. अमृतत्वे 1, 31, 7. रत्नम् 136, 4. द्युमे 9, 61, 29. 5, 28, 3. वर्षः 2, 1, 12. 23, 10. देवेभ्यः उत्तमं कृविः 9, 67, 28. इन्द्रस्य भवसि धासिरुत्तमः 85, 3. पत्न्या मे श्लोकं उत्तमः 10, 159, 3. भेषजम् AV. 2, 3, 2. 6, 24, 1. साक्षिन् M. 8, 84. चतुस् 4, 229. रूप 230. वासम् 8, 321. रति 9, 28. वन N. 13, 4. दुःख *das grösste Leid* R. 5, 33, 35. यत्न M. 9, 252. 333. — N. 5, 38. 10, 18. 17, 5. Viçv. 13, 25. R. 1, 1, 62. 2, 8. KATHAS. 25, 80. धन्यानामुत्तमं किं स्वित् MBH. 3, 17358. fg. R. 1, 1, 27. उत्तमा गोषु AK. 2, 9, 67. H. 1270. Vop. 6, 52. wird mit dem hervorgehobenen Gegenstande comp. P. 2, 1, 61. उत्तमदर्शन MBH. 3, 14712. R. 2, 63, 2. 4, 44, 104. am Ende eines comp.: द्विजोत्तमः *der höchste, beste unter den Zweimalgeborenen, ein Brahman* M. 2, 49. 166. 3, 124. u. s. w. R. 1, 3, 21. 8, 15. सुरोत्तम N. 4, 7. नरोत्तम 2, 30. 9, 34. Viçv. 10, 33. पुरोत्तम R. 1, 6, 18. 17, 40. वस्त्रोत्तम 3, 18, 47. रथोत्तम BHAG. 1, 24. PAÑKAT. I, 333. VID. 32. 42. in der Bed. eines compar. (s. उत्तर): इन्द्रियेभ्यः परं मनो मनसः सत्त्वमुत्तमम्। सत्त्वादधि मकानात्मा मकतो ऽव्यक्तमुत्तमम्॥ KATHOP. 6. 7. यस्मात्तरमतीतो ऽकृमन्तरादपि चोत्तमः BHAG. 13, 18. नातः परं किंचिदुत्तममस्ति PAÑKAT. 241, 24. V, 31. समोत्तमाधै (von Gleichen, Ueberlegenen oder Schwächeren) राजा ब्राह्मणः M. 7, 87. चाण्डालश्चोत्तमान्स्पृशन् JĀGŌ. 2, 234. उत्तमम् adv. *auf's Höchste*; am Anf. eines comp. ohne Flexionszeichen: उत्तमसंविद्या R. 2, 30, 2. — b) *der höchste* (vom Tone): उत्तमस्वरेण ĀÇV. ÇR. 3, 17. KĀTJ. ÇR. 3, 1, 3. 4. 5. 9, 6, 19. — c) *der äusserste, letzte* (im Raume, in der Reihenfolge oder in der Zeit; Gegens. पूर्व, प्रथम): स्पृशन्करेणोत्तमदन्तिणेन R. 2, 52, 12. die Nasale sind *die letzten* der Varga VS. PRĀT. 1, 90. 4, 115. RV. PRĀT. 4, 1. प्रथमोत्तमे अन्तरे BRH. ĀR. UP. 5, 5, 1. उत्तमादेवरातपुंसः काङ्क्षते पुत्रमापदि MBH. 1, 4674. तेषां वा उन्नेतोत्तमो दन्तिते ÇAT. Br. 12, 1, 1, 11. 1, 6, 1, 9. 3, 7, 1, 5. 4, 3, 1, 22. 9, 3, 1, 9. ĀÇV. ÇR. 9, 1. उत्तमे वयसि ÇAT. Br. 11, 4, 1, 5. KĀTJ. ÇR. 17, 7, 29. 19, 6, 25. उत्तमवयसं ÇAT. Br. 12, 9, 1, 18. — 2) m. a) näml. पुरुष gramm. *die letzte* (nach unserer Anschauung *die erste*) Person P. 1, 4, 101. 106. 107. 3, 4, 92. — b) N. pr. ein Bruder Dhruva's, Sohn Uttānapāda's und Neffe Prijavrata's VP. 86. ein Sohn Prijavrata's und 3ter Manu 162, N. 2. 261, N. 6. der 21ste Vjāsa 273. m. pl. N. eines Volkes 186. Vgl. श्रौतमि. — 3) f. आ a) näml. पिडका *eine bes. Art Pustel* Suçr. 1, 299, 7. 2, 124, 12. — b) N. einer Staude, *Oxystelma esculentum* R. Br. (*Asclepias rosea* Roxb.), H. an. 3, 462. MED. m. 40. Suçr. 1, 133, 1. — Vgl. अनुत्तम, उपोत्तम.

उत्तमपुरुष (उ० + पु०) m. 1) = उत्तम 2, a. Nir. 7, 2. Sch. zu P. 1, 4, 107. 3, 4, 92. — 2) °पुरुष *der höchste Geist* KĀND. UP. 8, 12, 3. Im Text: उत्तमः पुरुषः, aber ÇANĀK.: उत्तमश्चास्ति पुरुषश्चेत्युत्तमपुरुषः. Vgl. पुरुषोत्तम.

उत्तमफालिनी (von उत्तम + फल) f. = उत्तम 3, b. RATNAM. im ÇKDR.

उत्तमरथ्य adj. von उत्तम + रथ P. 4, 3, 121, Sch.

उत्तमर्णा (उत्तम + ऋणा) m. 1) *Gläubiger* (Gegens. अथमर्णा) P. 1, 4, 35. AK. 2, 9, 5. H. 882. KAUÇ. 46. M. 8, 47, 50. — 2) m. pl. N. pr. eines Volkes (= उत्तम) VP. 186, N. 16 (उत्तमर्णा; etwa उत्तम + ऋणा?).

उत्तमर्णिका m. *Gläubiger* M. 8, 48. JĀGŌ. 2, 42.

उत्तमवेश (उ० + वे०) m. ein Bein. Çiva's Çiv.

उत्तमशाख (von उ० + शाखा) N. einer Gegend; davon °शाखीय adj. gaṇa गकादि zu P. 4, 2, 138. — Vgl. अथमशाख.

उत्तममुख (उ० + सु०) m. N. pr. eines Mannes Verz. d. B. H. No. 643.

उत्तमाङ्ग (उ० + अङ्ग) n. *der höchste oder vorzüglichste Theil des Körpers, der Kopf* AK. 2, 6, 2, 46. H. 566. M. 1, 93. 8, 300. BHAG. 11, 27. MBH. 3, 2003. 14, 2500. R. 3, 58, 29. 6, 67, 25. 92, 41. Suçr. 1, 118, 5. MĀRĀK. 66, 10. RAGH. 7, 48. KUMĀRAS. 7, 41. — Vgl. अथमाङ्ग.

उत्तमौघ्य adj.: तत्तुं तन्वानमुत्तममनु प्रवर्तत आशत। उत्तेदमुत्तमाय्यम् RV. 9, 22, 6.

उत्तमारणी (उ० + अ०) f. N. einer Pflanze, *Asparagus racemosus* Willd., RĀGAN. im ÇKDR.

उत्तमार्थ (उ० + अ०) m. *der letzte Theil* ÇAT. Br. 12, 3, 2, 12. Davon adj. उत्तमार्थ्य P. 4, 3, 5.

उत्तमौघ्य adj. von उत्तम देशो gaṇa गकादि zu P. 4, 2, 138.

उत्तमौजस् (उ० + औ०) m. N. pr. eines Mannes BHAG. 1, 6. MBH. 18, 27. HARIV. 474. 5020. 5301.

उत्तम्भ (von स्तम्भ् mit उद्) m. nom. act. Vop. 3, 170.

उत्तम्भन (wie eben) n. *Stützbalken* VS. 4, 36. KĀTJ. ÇR. 7, 9, 25.

उत्तम्भितव्य (wie eben) partic. fut. pass. P. 8, 4, 61, Sch.

1. उत्तर (von उद्) 1) adj. f. आ, Decl. P. 1, 1, 34. 7, 1, 16. Vop. 3, 9, 12. 37. a) *der obere, höhere* (Gegens. अधर) AK. 3, 4, 192. H. 828. an. 3, 524. MED. r. 119. उत्तरा सूर्यः पुत्र आसीत् RV. 1, 32, 9. उत्तरस्मादधरं समुद्रम् 10, 98, 5. सधस्यम् 1, 154, 1. सत्रं 10, 67, 10. दिवः 4, 26, 6. 8, 20, 6. AV. 10, 2, 24. अधरेणौष्ठेन — उत्तरेण VS. 23, 2. उत्तरं ह्युदरमधरा योनिः ÇAT. Br. 7, 5, 1, 38. 8, 6, 2, 15. अधरे — उत्तरे दत्ताः 11, 4, 1, 5. 14, 3, 1, 28. उत्तरमूला 1, 2, 1, 16. उत्तरे ज्योतिषी *der Luft und des Himmels* Nir. 7, 16. TS. 5, 2, 8, 4. — BRH. ĀR. UP. 2, 2, 2. KĀND. UP. 3, 15, 1. उत्तरकाय *der Oberkörper* RAGH. 9, 60; vgl. P. 2, 2, 1. Vielleicht gehört hierher auch: एवेदूर्वत् उत्तरा RV. 8, 33, 18. उत्तरो धुरो वंक्षति 10, 102, 10. — b) *nördlich* (wegen des gebirgigen Nordens) AK. H. an. MED. पूर्वस्माद्वस्युत्तरस्मिन्समुद्रे AV. 11, 2, 25. 3, 6. पश्चादुत्तरस्मादधरात्पूरस्तात् RV. 10, 42, 11. उत्तरस्यो दिशि AV. 4, 14, 8. TS. 5, 3, 4, 4. ÇAT. Br. 5, 5, 1, 21. दे वेदी भवतः — उत्तरान्या भवति दन्तिपाण्योत्तरो वै देवलोकः दन्तिपाः पितृलोकः 12, 7, 3, 7. 8, 3, 6. M. 5, 92. N. 12, 43. R. 1, 33, 16. 41, 22. 3, 22, 8. 4, 1, 16. 8, 4. Suçr. 1, 19, 11. 14. PAÑKAT. 241, 7. मारुतः Suçr. 1, 76, 17. — c) *der linke* (weil man beim Gebet das Antlitz nach Osten richtet; vgl. दन्तिपाः) उत्तरस्यो दिश्युत्तरं धेहि पार्श्वम् AV. 4, 14, 8. VS. 23, 5. उत्तरः कर्णाः ÇAT. Br. 12, 2, 1, 6. ऊरुः 11, 3, 2, 5. बाहुः 6. 4, 2, 16. उत्तरास KĀTJ. ÇR. 8, 3, 14. 17, 2, 11. गूढोत्तरासान् MBH. 1, 7212. व्यूढोत्तरासान् 3, 10249. पत्नः TAİTT. UP. 2, 1. — d) *der spätere, hintere, folgend, bevorstehend, künftige* (Gegens. पूर्व u. s. w.; vgl. अग्र und अधर): युगानि RV. 3, 33, 8. 10, 10, 10. 72, 1. द्यून् 1, 113, 13.